वार्षिक रिपोर्ट– 2009–2010

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (विदृप्रनि) की स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी। यह केंद्र सरकार की नोडल बहुमाध्यम विज्ञापन एजेंसी है। पिछले 55 वर्षों से यह निदेशालय लगभग सभी केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति उन्हें एक ही स्थान से किफायती दामों पर सभी सेवाएं उपलब्ध कराते हुए कर रहा है। यह शहरी तथा ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों की जनता को प्रेस, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, मुद्रित बुकलेट/फोल्डरों प्रदर्शनियों और बाह्य प्रचार उपकरणों के माध्यम से सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी और शिक्षा देता है तथा उन्हें विकास संबंधी गतिविधियों में भागीदारी निभाने को प्रेरित करता है।

> विदृप्रनि–
> भारत सरकार की नोडल विज्ञापन एजेंसी

> विदृप्रनि, भारत सरकार की एक नोडल विज्ञापन एजेंसी के रूप में पिछले 55 वर्षों से लगभग सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा स्वायत्त निकायों को एक ही स्थान से किफायती दामों पर बहु माध्यम प्रचार सेवा उपलब्ध करा रहा है।

राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदयिक सद्भाव, ग्रामीण विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एड्स जागरूकता, महिला सशक्तीकरण, बालिका उत्थान, उपभोक्ता जागरूकता, साक्षरता, रोजगार सृजन, आयकर, रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण और हस्तशिल्प प्रोत्साहन एवं प्राकृतिक आपदा के लिए तैयारी आदि कुछ प्रमुख विषय हैं, जिनके विज्ञापन और प्रचार पर विदृप्रनि विशेष ध्यान देता है।

विदृप्रनि – समग्र ढांचा

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय के विभिन्न स्कंध इस प्रकार हैं:– अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रण प्रचार, प्रदर्शनी, इलैक्ट्रानिक डॉटा प्रोसेसिंग सेंटर, मास मेलिंग, श्रृव्य–दृश्य सेल, डिजाइन स्टूडियो तथा प्रशासन और लेखा स्कंध।

निदेशालय के नई दिल्ली, बंगलौर और गुवाहाटी में तीन क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जो इन क्षेत्रों में निदेशालय की गतिविधियों में समन्वय करते हैं। इसके अलावा कोलकाता और चेन्नई में इसके दो क्षेत्रीय वितरण केन्द्र हैं जो क्रमशः पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में प्रचार सामग्री के वितरण की देखरेख करते हैं।

> विदृप्रनि का समग्र ढांचा
>
> तीन क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली, बंगलौर और गुवाहाटी
>
> दो क्षेत्रीय वितरण केंद्र कोलकाता और चेन्नई
>
> 32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी यूनिट

विदृप्रनि का देश भर में फैले 32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों का नेटवर्क है। विदृप्रनि की क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं। क्षेत्रीय इकाइयां देश के दूर–दराज के इलाकों में सामाजिक और विकास संबंधी विषयों पर बहु–माध्यम प्रदर्शनियों का आयोजन कर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर प्रेस, केन्द्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करती हैं।

वर्ष 2009 के दौरान महत्त्वपूर्ण गतिविधियां

- **आधुनिकीकरण, डिजिटलाइजेशन तथा अपने प्रचालनों का प्रौद्योगिकीय उन्नयन विदृप्रनि की एक सतत् प्रक्रिया है। विदृप्रनि प्रक्रिया को सक्षम पारदर्शी और जवाबदेय बनाने के लिए इलैक्ट्रानिक क्लीअरेंस योजना (ई सी एस) के माध्यम से समाचार पत्रों और ए वी चैनलों को सभी भुगतान करने के यथा संभव प्रयास कर रहा है। विदृप्रनि जहां इस समय अपने रिलीज आर्डर और प्रिंट मीडिया संबंधी विज्ञापन डिजाइन आन लाइन जारी कर रहा है वहीं दूसरी ओर यह प्रिंट मीडिया और श्रव्य–दृश्य मीडिया तथा प्रिंट मीडिया के एमपैनलमेंट की दर के नवीकरण के लिए आवेदनों को भी आन लाइन प्राप्त कर रहा है। विदृप्रनि ऑडियो स्पॉटों को जारी करने की प्रक्रिया में भी है और ऑन लाइन बिल प्राप्त कर रहा है। श्रव्य दृश्य(ए वी) सामग्री के पुरालेखन के अलावा ए वी चैनलों को ऑनलाइन भुगतान करने के साथ–साथ वीडियो स्पॉटों को इलैक्ट्रानिक रूप से अपलोड करने की शुरुआत की जा रही है।**
- **विदृप्रनि सूचना प्रौद्योगिकी उपयोग के माध्यम से प्रक्रियाओं के आटोमेशन और डिजिटलाइजेशन तथा बहुआयामी मानीटरिंग पर विचार कर रहा है जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ–साथ सभी स्तरों पर आटोमेटिक रिपोर्ट जनरेशन की सुविधाएं प्राप्त करना है।**
- **''डिजिटल सिनेमा'' नामक एक मीडिया को विदृप्रनि ने अपने पैनल में शामिल किया है। मोबाइल टेलीफोन वेबसाइट, सामुदायिक रेडियो सेवाओं आदि के माध्यम से विज्ञापनों के नए तरीकों का पता लगाया जा रहा है।**
- **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला–2009 के दौरान प्रगति मैदान में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में 'स्वस्थ ग्राम–स्वस्थ भारत' नामक एक विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।**
- **दिल्ली में बैनर लगाकार हिंदी पखवाड़ा और सतर्कता जागरूकता सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।**

अपने इतिहास में पहली बार विदृप्रनि द्वारा भारत सरकार के कलैण्डर, 2010 को डिजिटल रूप में तैयार किया गया और इसे गहरे रंगों और स्ट्रोक्स से सुसज्जित किया गया।

विदृप्रनि एकमात्र विज्ञापन एजेंसी है जो देश के सभी समाचार पत्रों, जर्नलों, एफ एम चैनल और सी एण्ड एस चैनलों को अपना निर्गम आदेश (रिलीज आर्डर) आनलाइन जारी करता है।

लगभग 4456 समाचार पत्र इसके पैनल में हैं।

डीडी गुलदस्ते के अलावा लगभग 163 सी एण्ड एस चैनल तथा आकाशवाणी के अतिरिक्त लगभग 107 एफ एम रेडियो चैनल इसके पैनल में हैं।

वर्ष 2004 से चालू वर्ष से पूर्व के लेखों के मिलान हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया है।

फोटो

2 अक्तूबर को विशेश अभियान

गांधी जयंती के अवसर पर ''अहिंसा की भाक्ति'' विशय पर एक एस एम एस एम टी एन एल ने अपने नेटवर्क के माध्यम से सभी मोबाइल उपभोक्ताओं को भेजा। एम टी एन एल ने यह कार्य निःशुल्क किया।

अहिंसा की भाक्ति के संदेश का प्रसार करने के लिए प्रसारण और प्रचार अभियान चलाए गए।

राष्ट्रीय एकता सप्ताह के दौरान ''भारत मेरी पहचान'' पर एक राष्ट्रव्यापी प्रसारण अभियान चलाया गया।

महात्मा गांधी, उनका जीवन और दर्शन पर 66 दिन की एक प्रदर्शनी चेन्नई में आयोजित की गई।

''परिवर्तन जो आप देखना चाहते हैं'' पैनल में भाामिल लगभग 1500 प्रकाशनों की मुद्रित प्रचार सामग्री निकाली गई और एक अभियान चलाया गया।

फोटो

अभियान

वर्ष 2009–2010 में विदृप्रनि ने अपने ग्राहक मंत्रालयों/विभागों की ओर से अनेक अभियान चलाए।

इस वर्ष के दौरान मजबूत, स्वस्थ और समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण को समर्पित भारत निर्माण तथा फ्लैगशिप कार्यक्रमों सहित सरकार की पहलों, कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों पर अनेक प्रिंट मीडिया विज्ञापन जारी किए गए। अभियान में निम्नलिखित विषय भाामिल थे।

- **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन** : मिशन के अंतर्गत भाामिल की गई खरीफ और रवी फसल हेतु प्रिंट मीडिया अभियान चलाए गए। अभियान एन एस एस जिलों में गहन था।
- **सूखा सहायता :** सूखा प्रभावित राज्यों में प्रिंट विज्ञापन के माध्यम से विशेष संदेश हिंदी और अन्य देशी भाषाओं में प्रकाशित किए गए।
- **एग्मार्क को बढ़ावा :** एग्मार्क को बढ़ावा देने के लिए दिसम्बर के महीने में एक विशेष अभियान चलाया गया।
- **अतुल्य भारत अभियानः** वर्ष के दौरान प्रिंट मीडिया में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महीने का अभियान चलाया गया।
- **जल बचाओ–''हर बूंद कीमती है'':** इस विषय पर वर्ष के दौरान समय–समय पर अभियान चलाए गए।
- **जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय भाहरी पुनः स्थापन मिशनः** इस मिशन के अंतर्गत उपलब्धियों को प्रचारित करने के लिए अभियान नवम्बर/दिसम्बर में आरंभ किया गया। चौथे वार्षिक सम्मेलन के दौरान मिशन पर विदृप्रनि द्वारा विज्ञान भवन में एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- **बीईई–बचत के सितारे :** नवम्बर–दिसम्बर के दौरान प्रिंट और बाह्य अभियान चलाए गए ताकि बिजली के उपकरणों की बैच मार्किंग की संकल्पना को प्रोत्साहित किया जाए।
- **स्वास्थ्य :** धूम्रपान, आयोडीन की कमी, अंधेपन पर नियंत्रण, विश्व एड्स दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस और मलेरिया तथा डेंगू के बारे में जागरूकता पैदा करने पर अभियान चलाए गए।
- **पर्यावरणः** विश्व पर्यावरण दिवस पर नियमित विज्ञापनों के साथ–साथ वन महोत्सव पर एक अभियान आरंभ किया गया। बाल मजदूरी के विरुद्ध विश्व दिवस और नक्सलियों के विरुद्ध एक प्रिंट अभियान भी चलाया गया।

वर्ष 2009–2010 के दौरान जारी विज्ञापन

महीना	विज्ञापनों की संख्या
अप्रैल 2009	382
मई 2009	969
जून 2009	1344
जुलाई 2009	1390
अगस्त 2009	1304
सितम्बर 2009	1576
अक्तूबर 2009	1543
नवम्बर 2009	1369
दिसम्बर 2009	1226
जनवरी 2010	448
कुल	11551

बहुत ही कम समय के नोटिस पर एच–1 एन–1 (स्वाइन फ्लू) से संबंधित अभियान के अनेक विज्ञापन जारी किए गए और यह अभियान अभी भी जारी हैं। इस अभियान के लिए श्रव्य दृश्य, बाह्य प्रचार तथा मुद्रित प्रचार घटकों का उपयोग भी किया गया।

वर्ष 2009–2010 के दौरान प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों पर किया गया व्यय है :

रु. 244.13 करोड़।

अन्य प्रमुख अभियान :

इस वर्श परिवहन हड़ताल तथा एच 1 एन 1 जैसे कुछ अभियान विदृप्रनि द्वारा श्रव्य दृश्य के माध्यम से कुछ ही घंटों के नोटिस पर सफलतापूर्वक चलाए गए। दिपावली के त्यौहार के समय भी 'समझदार गृहणी' नामक एक विशेष अभियान देशभर में चलाया गया ताकि त्यौहारों के मौसम में लोगों द्वारा खरीदी जाने वाली उपभोक्ता वस्तुओं के प्रति जागरूकता पैदा की जा सके।

फोटो
श्रीमती अम्बिका सोनी, माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री, श्री चौधरी मोहन जतुआ, माननीय राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण के साथ वर्श 2010 के कैलेंडर का लोकार्पण करते हुए। चित्र में (बांए से दांए) अन्य व्यक्तियों में भाामिल हैं श्री ए. पी. फ्रैंक नरोन्हा, महानिदेशक, वि.द्र.प्र.नि., श्री रघु मेनन, सचिव, सूचना और प्रसारण, श्री आर्य प्रहराज, कलाकार एवं श्री उदय कुमार वर्मा, विशेष सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

विज्ञापन

वर्ष 2009–2010 के दौरान (14.01.2010 तक) देशभर में विभिन्न समाचारपत्रों को कुल 11551 विज्ञापन जारी किए गए। इसमें से 1232 डिस्प्ले विज्ञापन और भोश वर्गीकृत विज्ञापन थे। विज्ञापनों के विषय और भीर्षक थे स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1) उपभोक्ता शिक्षा, रैगिंग का विरोध, विश्व जनसंख्या दिवस, आयोडीन की कमी दिवस, पर्यावरण दिवस, विश्व उर्स दिवस, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एनआरईजीए), बाबू जगजीवन राम स्मरण, अंतराष्ट्रीय विकलांगता दिवस, सद्भावना दिवस, स्वतंत्रता दिवस, तथा गणतंत्र दिवस।

<u>श्रव्य–दृश्य</u>

विदृप्रनि का श्रव्य–दृश्य स्कंध रेडियो एवं वीडियो प्रायोजित कार्यक्रमों, जिंगल और आकाशवाणी पर श्रव्य–दृश्य स्पॉट, दूरदर्शन, निजी उपग्रह टी.वी., रेडियो चैनलों, डिजीटल थियेटरों, एस.एम.एस. के जरिये मोबाइलों तथा सामाजिक सरोकार तथा राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयों के माध्यम से प्रचार अभियान करता है।

वर्श के दौरान किए गए श्रव्य–दृश्य अभियानों में, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए **स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1)** पर वर्श भर चलने वाले विशेष अभियान के तहत स्पॉटस तैयार किए गए हैं जिनका आकाशवाणी/दूरदर्शन/प्राइवेट सी तथा एस चैनल तथा प्राइवेट एफ. एम. रेडियो चैनलों पर प्रसारण/टेलीकास्ट किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए **राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य योजना (एन.आर.एच.एम.)** पर विशाल अभियान प्रारम्भ किया गया है जिसमें स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों पर श्रव्य दृश्य स्पॉटस तैयार किए गए हैं, जिनका आकाशवाणी/दूरदर्शन/निजी टीवी चैनलों/डिजीटल थियेटरों पर प्रसारण/टेलीकास्ट किया जा रहा है। केंद्रीय सरकार के विभिन्न विभागों/मंत्रालयों, जिनमें उपभोक्ता मामले मंत्रालय भी भाामिल है, के लिए विभिन्न **उपभोक्ता जागरूकता अभियान**, वित्त मंत्रालय के लिए आयकर, सेवाकर, गृह मंत्रालय के लिए भूकम्प तथा बाढ़ जागरूकता अभियान, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (ऊर्जा मंत्रालय) के लिए **ऊर्जा बचाओ अभियान**, अन्य अभियान भी भाुरू किए गए हैं जिसमें आकाशवाणी तथा दूरदर्शन साथ ही साथ प्राइवेट सी तथा एस तथा एफ एम चैनलों पर श्रव्य दृश्य स्पॉटस का प्रसारण/टेलीकास्ट किया जा रहा है। जन सामान्य में **सूचना अधिकार अधिनियम** के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए तथा सूचना अधिकार अधिनियम का प्रयोग करने संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग) के लिए अभियान आरम्भ किया गया है।

- **कम्युनिटी रेडियो को पैनल में भामिल करने की एक नई पहल की गई है तथा यह नीति अनुमोदन की अंतिम अवस्था में है।**
- **वर्ष 2009–2010 के लिए श्रव्य–दृश्य मीडिया के लिए 31 दिसम्बर, 2009 तक व्यय प्रतिबद्धता रू. 170 करोड़ है।**

उपरोक्त के अलावा भारतीय थल सेना, भारतीय जल सेना तथा तट रक्षक में विशेष तौर से जीविका की संभावनाओं के लिए भाामिल होने के बारे में जन सामान्य में जागरुकता उत्पन्न करने के लिए बड़े स्तर पर अभियान भी रेडियो तथा टीवी चैनलों पर प्रसारित/टेलीकास्ट किए गए। राष्ट्रीय एकता सप्ताह के दौरान 'भारत मेरी पहचान' अभियान पूरे राष्ट्र में प्रसारित किया गया।

उत्पादन

विदृप्रनि द्वारा विकास संबंधी विभिन्न मुद्दों पर अनेक साप्ताहिक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम (एस आर पी) तैयार किए जाते हैं। इनमें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए खाद्य एवं पोशण मुद्दे पर ''पोशण और स्वास्थ्य'', ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए भूमि संसाधन पर ''नई दिशा की ओर'', नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के लिए ''नई आशाएं नई दिशाएं'' तथा ''रोशन रहे ज़माना'' भाामिल हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए प्रायोजित विडियो कार्यक्रम ''एक नया सवेरा'' भी विदृप्रनि द्वारा तैयार किया गया है। ये कार्यक्रम 15–30 मिनट की अवधि के हैं तथा इन्हें आकर्शक ड्रामा फॉरमेट में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाशाओं में तैयार किया गया है। इन्हें प्राइमरी चैनलों तथा आकाशवाणी के व्यावसायिक प्रसारण सेवा (सीबीएस) केंद्रों के माध्यम से पूरे देश में प्रसारित किया जाता है।

विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर श्रव्य/दृश्य स्पॉट/फिल्में निर्मित की गईं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए खाद्य एवं पोशण पर ''पोषण और स्वास्थ्य'', ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए भूमि संसाधन पर ''नई दिशा की ओर'', नवीन तथा नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय के लिए ''नई आशाएं नई दिशाएं'' तथा ''रोशन रहे ज़माना।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए एक प्रायोजित विडियो कार्यक्रम ''एक नया सवेरा''

इन अभियानों के अतिरिक्त ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए ''ग्रामीण स्वास्थ्य रक्षा'', स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए ''स्वाइन फ्लू'', आयकर विभाग के लिए ''रिटर्न जमा करना'', सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लिए ''गांधीवाद'', रक्षा मंत्रालय के लिए ''इमेज प्रोजेक्शन–नेवी'', प्रशासनिक सुधार विभाग के लिए ''टिहरी जल विद्युत निगम'', वेस्ट प्रैक्टिसेज'' भी भाामिल हैं।

- **वर्तमान वर्ष (2009–10) में 163 सी तथा एस चैनल और 107 निजी एफ एम स्टेशनों को विदृप्रनि के पैनल में भाामिल किया गया है।**

फोटो

प्रदर्शनियां

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने वर्श 2009–10 के दौरान सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के प्रचार हेतु तथा राश्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आदि जैसे राश्ट्रीय महत्व के मुद्दों के लिए विभिन्न प्रदर्शनियां आयोजित कीं। नवम्बर 2009 के अंत तक 32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाईयों ने देश भर में 1034 प्रदर्शनी दिवसों में 233 प्रदर्शनियों का आयोजन किया। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं–

- नई दिल्ली में भारतीय अन्तर्राश्ट्रीय व्यापार मेला–2009 (आई आई टी एफ–2009) के अंतर्गत प्रगति मैदान के स्वास्थ्य मंडप में 14–27 नवम्बर, 2009 के दौरान 'स्वस्थ ग्राम, स्वस्थ राश्ट्र' भीर्शक से एक विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- विदृप्रनि ने राज्य निर्वाचन आयोग के सहयोग से झारखंड राज्य में ''मतदाता जागरूकता अभियान'' में भाग लिया।

भारतीय अन्तर्राश्ट्रीय व्यापार मेला (आई आई टी एफ) 2009 में स्वास्थ्य मंडप के अंतर्गत 'स्वस्थ ग्राम, स्वस्थ राश्ट्र'

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14–27 नवम्बर, 2009 तक भारतीय अन्तर्राश्ट्रीय व्यापार मेला–2009 (आई आई टी एफ–2009) के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने 'स्वस्थ ग्राम, स्वस्थ राश्ट्र' भीर्शक से एक विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया।

स्वास्थ्य मंडप में ग्रामीण व्यक्तियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न मुद्दों को उजागर किया गया। सभी ओर से प्रदर्शनी की सराहना की गई।

जे एन एन यू आर एम के उद्देश्य एवं उपलब्धियां

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा भाहरी विकास मंत्रालय के लिए विज्ञान भवन, नई दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू राश्ट्रीय भाहरी नवीकरण मिशन के उद्दे यों एवं उपलब्धियों पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

झारखंड राज्य में निर्वाचन जागरूकता अभियान

विदृप्रनि ने झारखंड में राज्य निर्वाचन आयोग के समन्वय से 'चुनाव जागरुकता अभियान' में भाग लिया। निर्वाचन प्रणाली तथा मताधिकार के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए चुनाव आयोग द्वारा तैयार किए गए एक नए प्रदर्शनी सेट का उपयोग राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान चलाए गए अभियान के लिए किया गया।

जनसूचना अभियान में भागीदारी

विदृप्रनि ने पत्र सूचना द्वारा संचालित भारत निर्माण/रिसर्जेन्ट इंडिया पर प्रदर्शनियों तथा जनसूचना अभियान पर कार्यक्रमों का देशभर में आयोजन किया। अप्रैल, 2009 से नवंबर, 2009 तक लगभग 25 जनसूचना अभियान (पीआईसी) आयोजन किए गए, जिनमें से अधिकांश का आयोजन ग्रामीण तथा दूरदराज के क्षेत्रों में किया गया।

एच 1 एन 1 जागरूकता अभियान

स्वाईन फ्लू और एच 1 एन 1 इन्फ्लूएन्जा पर माले वरम् में तथा बंगलौर के अन्य स्थानों पर बीमारी की जानकारी एवं सावधानियों के संबंध में जागरुकता उत्पन्न करने हेतु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ऐसी ही प्रदर्शनियां कुलाथपुझा तथा पेरूमकदाविला, केरल, में अक्टूबर में आयोजित की गईं।

शास्त्री भवन में विशेष प्रदर्शनी

शास्त्री भवन में 26 जून 2009 को माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री के समक्ष विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के प्रदर्शनी अभियान को उल्लेखित करने हेतु भारत निर्माण पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

फोटो प्रभाग के 50 वर्ष फोटो प्रभाग के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 16 से 23 अक्टूबर, 2009 तक आयोजित समारोह के दौरान 'विकास एक नजर में' विशय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। फोटो प्रभाग, नई दिल्ली के मुख्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का उद्‌घाटन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की अपर सचिव, श्रीमती स्तुति कक्कड़ तथा न्यायाधीश जे. एन. राय, अध्यक्ष, भारतीय प्रेस परिशद, नई दिल्ली ने किया।

राष्ट्र की सेवा में प्रादेशिक सेना

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा 19 अक्टूबर 2009 को प्रादेशिक सेना दिवस परेड के अवसर पर 'राश्ट्र की सेवा में प्रादेशिक सेना' पर प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन माननीय रक्षा मंत्री श्री ए. के. एन्थनी द्वारा किया गया। राज्य मंत्री, रक्षा तथा स्टाफ के तीनों प्रमुख उद्‌घाटन समारोह पर उपस्थित थे।

- झारखंड राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग के सहयोग से 'मतदाता जागरूकता अभियान' पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- दिसम्बर 2009 से मार्च 2010 के मध्य लगभग 100 प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने ''महात्मा गांधी, उनका जीवन एवं दर्शन'' के संबंध में उनके जन्म के वर्शगांठ पर चेन्नई में 66 दिनों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने इस अवधि में एनआरएचएम, भारत निर्माण तथा उत्तर–पूर्वी राज्यों के विकास में योगदान हेतु विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया ।

सुरक्षित मातृत्व, स्वस्थ माँ स्वस्थ बच्चा, एड्स जागरूकता, 1857 क्रान्ति यात्रा जैसे विषयों पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। दिसम्बर 2009 से मार्च 2010 के दौरान लगभग 100 प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

फोटो

मुद्रित प्रचार

मुद्रित प्रचार में मुद्रण कार्यों– जैसे बहुरंगी पोस्टर, फोल्डर, ब्रोशर, कैलेण्डर, डायरियाँ, बुकलेट, स्टीकर, दीवार हैंगर, टेबल कैलेण्डरों एवं मुद्रित प्रचार की विविध मदों की योजना बनाना, उत्पादन एवं निरीक्षण भाामिल हैं। आव यकतानुसार एवं बजट आबंटन के अनुसार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों की योजनाएं/प्राक्कलन तैयार करने के कार्य भी किए जाते हैं।

- विदृप्रनि विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के लिए पोस्टर, बुकलेट, फोल्डर, कैलेण्डर, डायरियाँ, दीवार हैंगिंग, हिन्दी, अंग्रेज़ी तथा अन्य प्रांतीय भाशाओं में छापता है।
- भारत सरकार के कैलेण्डर तथा डायरी का डिज़ाइन व मुद्रण विदृप्रनि द्वारा ही किया जाता है।

कार्य	कार्यों की संख्या	प्रतियों की संख्या	व्यय (रू0 में)
पोस्टर	8	91,650	5,59,893/–
फोल्डर	17	19,18,000	32,37,475/–
बुकलेट	33	7,13,764	53,13,341/–
कैलेण्डर	18	6,89,800	1,90,84,692/–
डायरी	9	1,22,500	67,99,550/–
विविध	14	3,24,100	27,14,180/–
कुल	**99**	**38,59,814**	**3,77,09,131/–**

विदृप्रनि प्रधानमंत्री के भाशण तथा अन्य रिपोर्टों का मुद्रण तथा वितरण कार्य करता है।

विदृप्रनि सभी प्रमुख भारतीय भाशाओं अर्थात् तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, मराठी, गुजराती, बंगाली, असमिया, उड़िया, पंजाबी, उर्दू एवं हिंदी में मुद्रित प्रचार सामग्री तैयार करता है। यह स्कन्ध न्यूनतम संभावित समयावधि में तथा लागत पर नियंत्रण रखते हुए कार्य पूरा करवाने के लिए प्रिंटरों, टाइपसेटरों एवं डायरी मेकरों के पैनल का रखरखाव भी करता है।

फोटो

<u>बाह्य प्रचार</u>

बाह्य प्रचार मीडिया एक आकर्षक माध्यम है क्योंकि इसकी पहुंच किसी समाचार पत्र अथवा चैनल तक सीमित न होकर सार्वभौमिक है। बाह्य प्रचार अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ अन्य माध्यमों के लिए अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। बाह्य प्रचार सामग्री 24×7 की होती है। भुारू किए गए कुछ बाह्य प्रचार अभियानों की विशय वस्तु भारत निर्माण, फ्लैगशिप कार्यक्रम, हॉलमार्क जागरूकता, सतर्कता जागरूकता, कैंसर के प्रति जागरूकता, एड्स जागरूकता इत्यादि हैं।

- **<u>स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1)</u>** : भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्वाइन फ्लू पर कई होर्डिंग, बस बैक पैनल, एनिमेशन डिस्पले, इल्यूमिनेटिड/बैकलिट यूनिपोल/विशाल डिस्पले पैनल, कीऑस्क, ऑटो रिक्शा अभियान जारी किए गए।

इस अवधि के दौरान कुल 95,06,914 डिस्पले किए गए।

- बेरोजगार युवाओं के मध्य 'ज्वाइन इंडियन नेवी एंड इंडियन आर्मी' अभियान।
- दृश्टिहीनता पर नियंत्रण के लिए राश्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 95 लाख रेलवे आरक्षण टिकटों पर दृश्टि रक्षा पर स्लोगन छापे गए।
- **<u>अंधेपन पर नियंत्रण :</u>** अंधेपन पर नियंत्रण के लिए विशेश अभियान जारी किया गया जिसमें होर्डिंग, बैनर, एनिमेशन डिस्पले, प्रोग्राम बोर्ड, कीऑस्क भाामिल हैं।
- बाह्य प्रचार अभियान में **"जॉइन इंडियन नेवी"** पर विशेष बल दिया गया।

- **प्रधानमंत्री के 24 भाशणों की लगभग 8 लाख प्रतियां वितरित की गईं।**
- **मुद्रित सामग्री की लगभग 80,00,000 प्रतियां वितरित की गईं, जिसमें प्रधानमंत्री के भाशण, कैलेण्डर, डायरियाँ भाामिल थे।**

<u>बुकलेट्स का वितरण</u>

- समाज के सर्वाधिक पिछड़े और साधनहीन लोग :
- विकास में समान भागीदार
- ऊर्जा सुरक्षा की ओर
- संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का राश्ट्रीय न्यूनतम साझा कार्यक्रम

<u>मास मेलिंग</u>

विदृप्रनि एक ऐसी विशिष्ट एजेंसी है जो ग्राम पंचायत प्रधान तक हज़ारों प्रेशितों को सीधे ही मुद्रित सामग्री भेजती है।

विदृप्रनि का मास मेलिंग स्कन्ध प्रधान मंत्री के 24 भाशणों की 80 लाख प्रतियां तथा एच 1 एन 1 स्वाइन फ्लू यूनिसेफ पोस्टर की प्रतियां, फोल्डर एवं लीफ़लेट, सू. एवं प्र. मंत्रालय के कार्यक्रमों एवं संदेशों को फैलाना, भारतीय पैनोरमा–09–बुकलेट, 40वाँ आई एफ एफ आई–09, गोवा–ब्रोशर, अपर महानिदेशक का संचलन कैलेण्डर–10, एन सी एम पी–बुकलेट, लोगों को रिपोर्ट (2004–05/2004–07/2004–08) ब्रोशर, केयरिंग सरकार– 1 वर्श की यू पी ए सरकार की बुकलेट, लोगों को रिपोर्ट 1–बुकलेट, ऊर्जा सुरक्षा की ओर–बुकलेट, एन सी एम पी–बुकलेट व –बुकलेट (पी एम एस–8– समाज के सर्वाधिक

पिछड़े और साधनहीन लोगः विकास में समान भागीदारी)

<u>सतर्कता</u>

विदृप्रनि में सतर्कता अनुभाग का गठन

विदृप्रनि ने जून 2004, में अपने मुख्यालय, नई दिल्ली में एक पूर्ण विकसित सतर्कता अनुभाग की स्थापना की।

1. इस अवधि के दौरान की गई सतर्कता निवारक गतिविधियां ।

- इस अवधि के दौरान किए गए नियमित निरीक्षणों की संख्या 1
- आकस्मिक निरीक्षणों की संख्या 1

- **दिल्ली में जनसाधारण को हिंदी पखवाड़ा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह जैसी महत्वपूर्ण तिथियों की महत्ता बताने के लिए बैनरों के डिस्पले द्वारा आयोजन किया जाता है।**

2. इस अवधि के दौरान निगरानी एवं खोजों से संबंधित गतिविधियां :

- निगरानी के लिए चुने गए क्षेत्रों का ब्यौरा – कोई नहीं
- निगरानी के लिए चुने गए व्यक्तियों की संख्या – कोई नहीं

दण्डात्मक गतिविधियां (जहां नियुक्ति अधिकारी राष्ट्रपति के अतिरिक्त कोई और हो वहां 4(प) से 4(ग) इस के सामने संख्या दर्शाई जाए)

- अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों/संदर्भों की संख्या – 13
- कितने मामलों की प्राथमिक जांच पड़ताल की गई – 3
- कितने मामलों की प्राथमिक जांच पड़ताल की रिपोर्ट प्राप्त हुई – 2
- कितने मामलों में बड़े दण्ड के लिए आरोप पत्र जारी किए गए – कोई नहीं
- कितने मामलों में साधारण दण्ड के लिए आरोप पत्र जारी किए गए – कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों पर बड़ा दण्ड लगाया गया – कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों पर साधारण दण्ड लगाया गया – कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों को निलम्बन के अंतर्गत रखा गया – कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों के खिलाफ 'चेतावनी' आदि प्रशासनिक कार्रवाई की गई – कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों को नियमों के संगत प्रावधानों के तहत् समयपूर्व सेवानिवृत्ति दी गई – कोई नहीं